ब्लॉक 7

अस्पताल आयोजना तथा उपस्कर आयोजना

(Hospital Planning and Equipment Planning)

(हिन्दी रुपान्तरः केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

	पृष्ठ संख्या
ब्लॉक-7	1
अस्पताल आयोजना तथा उपस्कर आयोजना	
यूनिट- I	3
अस्पताल आयोजना तथा अभिकल्पन (डिजाइनिंग)	
यूनिट-2	26
उपस्कर आयोजना	

अगस्त, 2002

@ राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, 2002

सर्वाधिकार सुरक्षित। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को अनुलिपि बनाकर (मिमियोग्राफ द्वारा) अथवा किसी अन्य साधन द्वारा किसी भी रुप में उद्धृत नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

पाठ्यक्रम कोर टीम

पाठ्यक्रम निदेशक	प्रो.एम.सी.कपिलाश्रमी
पाठ्यक्रम समन्वयक	डा.जे.के.दास

यूनिट लेखक

डा.एम.एस.प्रकाश	अभिदेशन अस्पताल, बंगलौर
डा.पी.सत्यनारायण	भूतपूर्व - संकाय सदस्य, एन आई एम.एस., हैदराबाद

संपादक मंडल

प्रो.एम.सी.कपिलाश्रमी	निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) नई दिल्ली
डा.जे.के.दास	एमसीएचए विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, (एनआईएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली
कर्नल (डा.) आर.एन.बसु	सीईओ एवं मेडिकल निदेशक, हाई मेडिकेयर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना

आभार

इस पाठ्यक्रम की कोर टीम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र-कार्यालय, नई दिल्ली के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने प्रारंभिक अवस्था पर इस परियोजना के कार्यान्वयन एवं इसे तैयार करने में सभी प्रकार का सहयोग दिया।

अशोधित मॉड्यूल तैयार करने में निरंतर सहायता, सहयोग एवं तकनीकी समर्थन के लिए एमसीएचए विभाग एनआईएचएफडब्ल्यू की अंशकालिक फैकल्टी के डा.आनंद, आर.टी.के भी अति आभारी हैं।

डीएचए पाठ्यक्रम के हमारे स्नातकोत्तर विधार्थियों ने डा.विनीत गोयल और डा.अनामिका खन्ना ने संपादन एवं इस दस्तावेज के संपादन एवं शब्द संसाधन में सराहनीय कार्य किया है।

भूमिका

काफी लंबे अरसे से हमारा यह लक्ष्य रहा है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से 'सभी लोगों' को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में अस्पताल महत्वपूर्ण कड़ी है। यद्यपि चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में टीम के नेता और अस्पतालों के प्रबंधक होते हैं। लेकिन उन्हें इन दोनों में प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। स्नातक और स्नातकोत्तर - दोनों स्तरों पर चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रबंधकीय कौशल और नेतृत्व के गुणों के बारे में कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। परिणामस्वरुप, सामान्यतः चिकित्सक में प्रबंधकीय कौशल विकसित नहीं हो पाता है। प्रायः, यह देखने मे आता है कि इन विषयों पर सलाह देने के लिए उन्हें निश्चित रुप से सचिवालयों/ लिपिकीय कर्मचारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में इस खाई को पाटने की दिशा में स्नातकोत्तर अस्पताल प्रबंधन प्रमाण-पत्र (दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से) पाठ्यक्रम का आरंभ सफल प्रयास है।

उपर्युक्त दृष्टिकोण से, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने आरंभ में ि वश्व स्वास्थ्य संगठन से वित्तीय सहायता प्राप्त करके अस्पताल प्रशासन से संबद्ध अथवा इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने वाले बहुत से चिकित्सा कार्मिकों को ऐसा प्रशिक्षण सुलभ कराने और उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराने के लिए दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। एक राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के उत्कृष्ट विशेषज्ञों द्वारा अस्पताल प्रशासन में प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान करने के बाद, इस प्रयोजनार्थ-विशेषज्ञ समूह द्वारा कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण सामग्री/ साधन तैयार किए गए हैं। इसकी सुपाठ्यता, सुसंगतता, स्पष्टता और जीवन की विभिन्न स्थितियों में उनकी उपयोगिता की दृष्टि से मूल्यांकन करने के लिए शिक्षण सामग्री का पूर्व परीक्षण किया गया।

शिक्षण सामग्री को अंतिम रुप दिया गया और प्रमुख विशेषज्ञ समूह ने उन्हें अधिक जन सुलभ तथा उपयोगी बनाने का प्रयास किया। तत्पश्चात् 2002 में नियमपुस्तक के रुप में शिक्षण सामग्री को विस्तृत रुप से संशोधित किया गया है।

आशा है कि इस पाठ्यक्रम की पाठक सुलभ सामग्री चिकित्सकों में प्रबंधकीय क्षमता के विकास के लिए उपयोगी होगी।

एम.सी.कपिलाश्रमी
निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण संस्थान

नई दिल्ली
अगस्त, 2002